01 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

तियानहे अंतरिक्ष स्टेशन मॉड्यूल (Tianhe Space Station Module)

- चीन ने अपना अंतरिक्ष स्टेशन बनाने के लिये 22 मीट्रिक टन वाला 'तियानहे अंतरिक्ष स्टेशन कोर मॉड्यूल' लॉन्च किया है। इस मॉड्यूल को **वेनचांग अंतरिक्ष प्रमोचन केंद्र से लॉन्ग मार्च-5बी राकेट के ज़रिये लॉन्च** किया गया है।

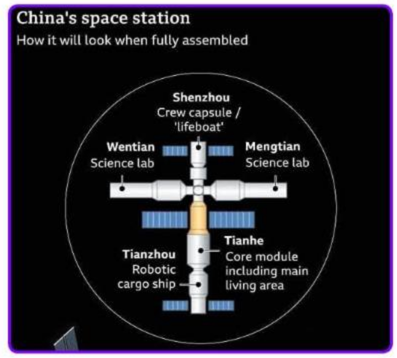

- **तियानहे अथवा 'स्वर्ग का सद्‌भाव' (Harmony of the heavens) अब पृथ्वी से लगभग 370 किमी. की ऊँचाई पर स्थिति कक्षा में स्थापित** होगा। इस मॉड्यूल में अंतरिक्ष स्टेशन पर काम करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के लिये क्वार्टर भी बने हैं। यह कम-से-कम 10 वर्षों तक कक्षा में काम करेगा।
- **चीन का अंतरिक्ष स्टेशन वर्ष 2022 तक बन जाने की संभावना** है। वर्ष 2022 तक चीन यहाँ तियानहे जैसे 10 और मॉड्यूल लॉन्च करेगा, जो 340 से 450 किमी. की ऊँचाई पर कक्षा में स्थापित होंगे।
- उल्लेखनीय है कि **चीन ने वर्ष 2003 में अपने अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी की कक्षा में भेजा** था। सोवियत संघ और अमेरिका के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाला वह विश्व का तीसरा देश है। चीन अब तक अपने दो स्पेस सेंटर टीयागॉन्ग-1 और टीयागॉन्ग-2 पृथ्वी की कक्षा में भेज चुका है।
- इस समय अंतरिक्ष में पृथ्वी की कक्षा में **'अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन'** कार्य कर रहा है। **अमेरिका, रूस, कनाडा, यूरोप तथा जापान इसका हिस्सा हैं, जबकि चीन के इसमें शामिल होने पर रोक** है। यह स्टेशन वर्ष 2024 में कार्य करना बंद कर देगा।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

03 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस (World Press Freedom Day)

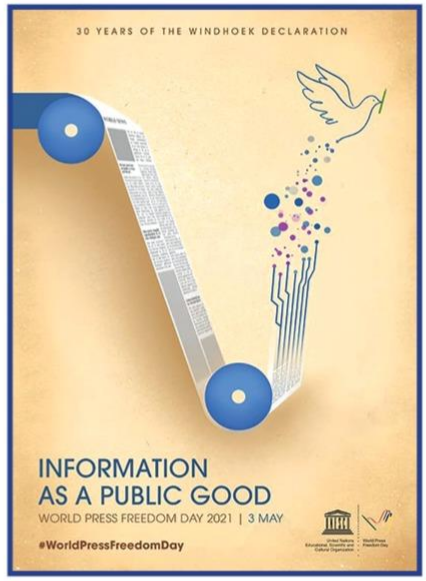

- **यूनेस्को के तत्त्वावधान में प्रति वर्ष 3 मई को 'विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस' मनाया जाता** है। यूनेस्को के अनुसार, यह दिन प्रेस की स्वतंत्रता को समर्पित है तथा विश्व भर की सरकारों एवं लोगों द्वारा प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- वर्ष 2021 के लिये विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की थीम– **'सूचना एक लोक भलाई' (Information as a Public Good)** है। यह थीम सत्यापित एवं विश्वसनीय सूचना के निर्विवादित महत्त्व को रेखांकित करती है।
- वर्ष 2021 के लिये विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस की मुख्य बातें:
  - न्यूज़ मीडिया की आर्थिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिये कदम उठाना।
  - इंटरनेट कंपनियों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिये तंत्र।
  - संवर्द्धित मीडिया तथा सूचना साक्षरता (MIL) क्षमताएँ, जो लोगों को पत्रकारिता को पहचानने तथा उसकी माँग करने में सक्षम बनाती हैं।
- विश्व प्रेस दिवस वस्तुत: **पत्रकारों, फोटो जर्नलिस्ट्स तथा मीडिया से संबद्ध सभी घटकों के प्रति एकजुटता को दर्शाता है,** जो विश्व भर से सूचनाएँ जुटाकर लोगों के घरों तक पहुँचाते हैं।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

04 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

ज़ाइलोफिस दीपकी (Xylophis Deepaki)

- **तमिलनाडु के पश्चिमी घाट वाले क्षेत्र में एक नई सर्प प्रजाति 'ज़ाइलोफिस दीपकी' की खोज** की गई है। इसका नामकरण भारतीय सरीसृप विज्ञानवेत्ता दीपक वीरप्पन के सम्मान में किया गया है, जिन्होंने वुड स्नेक (Wood snakes) को समायोजित करने के लिये इसके एक नए उप-वर्ग 'ज़ाइलोफिइनाए' (Xylophiinae) के निर्माण में उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

- यह इंद्रधनुष की भाँति चमकीली त्वचा वाला 20 सेमी. लंबा वुड स्नेक है। सबसे पहले इसे कन्याकुमारी में नारियल के खेतों में देखा गया था। **यह तमिलनाडु की एक स्थानिक प्रजाति** है।
- शुरुआती चरण में इसे 'एक्स. कैप्टेनी' (X. captaini) प्रजाति का सर्प समझा गया, किंतु विस्तृत अध्ययन के उपरांत इसका पता लगा कि यह एक्स. कैप्टेनी की करीबी किंतु भिन्न प्रजाति है। **वुड स्नेक के करीबी कुल की अन्य प्रजातियाँ पूर्वोत्तर भारत तथा दक्षिण-पूर्व एशिया में पाई जाती** हैं, जिन्हें 'ऑर्बोरियल' (Orboreal) कहा जाता है।
- **वुड स्नेक हानिरहित, ज़मीन के नीचे खोदकर रहने वाली प्रजातियों के उपवर्ग के जीव** हैं। ये प्राय: पश्चिमी घाट के जंगलों में लकड़ी के लट्ठों के नीचे या खेतों में पाए जाते हैं। इनका आहार केंचुए तथा अन्य कशेरुकी जीव हैं। 'ज़ाइलोफिस दीपकी' को जोड़कर अब **वुड स्नेक की प्रजातियों की संख्या 5 हो गई** है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

05 MAY
2 0 2 1

PT CARD

संस्कृति IAS

इबोला रक्तस्रावी बुखार (Ebola Hemorrhagic Fever)

- इबोला रक्तस्रावी बुखार मनुष्यों में होने वाला एक गंभीर तथा दुर्लभ रोग है। **इसे इबोला वायरस रोग (EVD) के रूप में भी जाना जाता** है। यह रोग इबोला वायरस के कारण होता है।

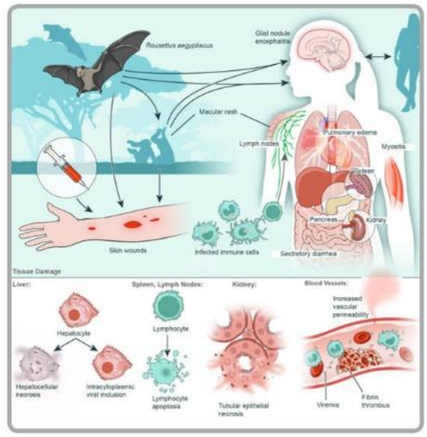

- **इबोला वायरस का संबंध फिलोविरिडे (Filoviridea) कुल से** है। इस वायरस की **पाँच प्रजातियों की पहचान की गई है, जो हैं - ज़ायरे, बुंडिबुग्यो, सूडान, रेस्टन एवं ताई फॉरेस्ट**।
- यह वायरस **जंगली जानवरों; जैसे- चमगादड़, चिपैंजी, गोरिल्ला आदि के माध्यम से मनुष्यों में फैलता** है। विदित है कि यह वायरस वायु के द्वारा नहीं फैलता है।
- इस रोग के प्रमुख लक्षण; बुखार, माँसपेशियों में दर्द, आंतरिक एवं बाह्य रक्तस्त्राव, उल्टी एवं दस्त आदि हैं। इसके लक्षण 2 से 21 दिनों के भीतर प्रकट होते हैं। यह एक जानलेवा रोग है, जिसमें 50% से 90% मामलों में रोगी की मृत्यु हो जाती है। **इस रोग का अभी तक कोई प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं** है।
- ध्यातव्य है कि **इबोला वायरस की खोज सर्वप्रथम वर्ष 1976 में कॉन्गो लोकतांत्रिक गणराज्य (DRC) में इबोला नदी के निकट** हुई थी। हाल ही में, डी.आर.सी. ने अपने यहाँ इबोला प्रकोप की समाप्ति की घोषणा की है।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

06 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

वैश्विक नवाचार साझेदारी (Global Innovation Partnership)

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वैश्विक नवाचार साझेदारी (GIP) की शुरुआत करने के लिये **भारत और यूनाइटेड किंगडम के मध्य समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के संबंध में पूर्वव्यापी प्रभाव (Ex-post facto) से अनुमति प्रदान** की है।
- जी.आई.पी. के अंतर्गत **भारतीय उद्यमियों एवं अन्वेषकों को बुनियादी वित्तपोषण (Seed funding), अनुदान, निवेश तथा तकनीकी सहयोग प्रदान** किया जाएगा।
- इससे **भारत के अन्वेषकों को अन्य देशों में अपने नवाचार का विकास करने में मदद** मिलेगी। साथ ही, इससे देश में नए बाज़ार विकसित होंगे और नवाचारी परिवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।
- यह समझौता नवाचार से संबंधित **सतत् विकास लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित** करेगा, जिससे लाभार्थी देश अपने-अपने सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे।
- जी.आई.पी. से **मुक्त एवं समावेशी ई-बाज़ार विकसित** होगा, जिससे बाज़ारों के मध्य नवाचार का अंतरण होगा। इससे नवाचार की दिशा में किये जाने वाले प्रयासों का निरंतर आकलन करने में मदद मिलेगी तथा पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

07 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

प्रवण अभ्यास (Proning Position)

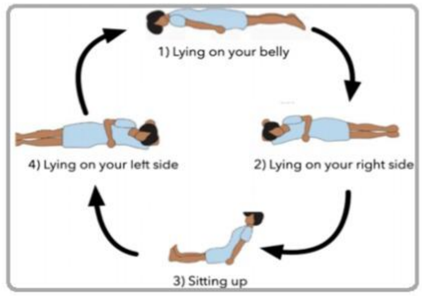

- स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने **कोरोना वायरस से संक्रमित रोगियों में ऑक्सीजन स्तर में सुधार के लिये** प्रवण अभ्यास अथवा प्रोनिंग पोज़िशन के संदर्भ में एडवाइज़री जारी की है।
- प्रोनिंग **चिकित्सकीय रूप से अनुमोदित स्थिति** है। इसमें व्यक्ति को पेट के बल लेटने की सलाह दी जाती है, जिसमें व्यक्ति का चेहरा नीचे की ओर होता है और उसके दोनों हाथ सीधे होकर कमर तक रहते हैं, इस स्थिति में पैर भी सीधे होते हैं।
- इसके अतिरिक्त, व्यक्ति अपने दाएँ एवं बाएँ पार्श्व पर भी लेट सकता है या 60-90 डिग्री के कोण पर 'फाउलर स्थिति' में बैठ सकता है। प्रोनिंग **व्यक्ति के फेफड़ों के वेंटिलेशन स्तर में सुधार करने में मदद** करता है, जिससे नैसर्गिक रूप से ऑक्सीजन स्तर में सुधार होता है।
- चिकित्सकों द्वारा किसी रोगी को न्यूनतम 30 मिनट तथा अधिकतम 2 घंटे तक इस अभ्यास को करने का सुझाव दिया जाता है। **इससे उन्हें बाहरी ऑक्सीजन सहायता की आवश्यकता नहीं** पड़ती। हाइपोक्सिया (ऑक्सीजन परिसंचरण में रुकावट) की स्थिति में समय पर प्रोनिंग से रोगी की जान बचाई जा सकती है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

08 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

फेसबुक का निगरानी बोर्ड (Facebook's Oversight Board)

- फेसबुक का निगरानी बोर्ड **एक स्वायत्त निकाय** है। यह बोर्ड फेसबुक अथवा इसके फोटो शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम द्वारा किसी व्यक्ति के कंटेंट को शेयर/पोस्ट करने या न करने के निर्णय की **जाँच करके उसके संदर्भ में निर्णय लेता है। जाँच के उपरांत इसके द्वारा दिये गए निर्णय फेसबुक के लिये बाध्यकारी** होते हैं।

- यह किसी मामले के संदर्भ में अथवा फेसबुक द्वारा अनुरोध करने पर फेसबुक की कंटेंट पॉलिसी में परिवर्तनों की अनुशंसा भी कर सकता है, किंतु इस तरह की **अनुशंसाएँ फेसबुक के लिये बाध्यकारी नहीं होती** हैं।
- निगरानी बोर्ड को **'फेसबुक के सुप्रीम कोर्ट'** के रूप में भी जाना जाता है। इसकी घोषणा वर्ष 2018 में की गई थी, जबकि 22 अक्तूबर, 2020 से इसने आधिकारिक रूप से कार्य करना शुरू किया।
- निगरानी बोर्ड में **किसी भी मामले की जाँच एक पाँच सदस्यीय पैनल द्वारा** की जाती है, इनमें से एक सदस्य उस भौगोलिक क्षेत्र से होता है जहाँ से संबंधित मामले की जाँच की जाती है। हाल ही में, बोर्ड ने फेसबुक द्वारा तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फेसबुक पेज को ब्लॉक करने संबंधी निर्णय को बरकरार रखा है।
- फेसबुक अथवा इंस्टाग्राम के साथ-साथ इनके उपयोगकर्ता किसी शिकायत की स्थिति में जाँच के लिये मामलों को बोर्ड के पास भेज सकते हैं। निगरानी **बोर्ड की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिये फेसबुक ने 130 मिलियन डॉलर के आरंभिक वित्तीयन से एक अपरिवर्तनीय ट्रस्ट गठित** किया है।

संस्कृति IAS

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

10 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

हैप्पी हाइपोक्सिया (Happy Hypoxia)

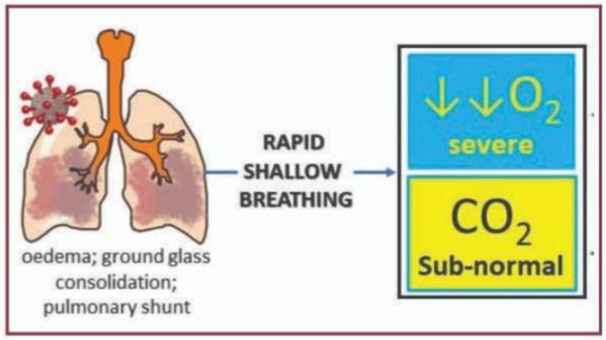

- 'हैप्पी हाइपोक्सिया' उस स्थिति को कहते हैं, **जब मरीज़ का ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर निम्न हो जाता है, किंतु उसमें निम्न ऑक्सीजन स्तर के स्पष्ट लक्षण दृष्टिगत नहीं होते** हैं। परिणामस्वरूप बीमारी बढ़ जाने पर फेफड़े गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो जाते हैं।
- **हैप्पी हाइपोक्सिया की स्थिति मुख्यतः युवाओं में देखी जाती** है क्योंकि उनकी रोग-प्रतिरोधकता तुलनात्मक रूप से बेहतर होती है। अतः ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर 81 से नीचे आने तक उन्हें साँस लेने में दिक्कत या अन्य तरह की समस्या सामने नहीं आती।
- कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान संक्रमित लोगों में युवाओं की अधिक संख्या को देखते हुए चिकित्सकों ने हैप्पी हाइपोक्सिया की स्थिति की आशंका व्यक्त की है। दरअसल, **कोरोना के नए वेरिएंट में रैश, डायरिया, नेत्र-शोथ, जोड़ो के दर्द जैसे नए लक्षण देखे जा रहे** हैं; जिनका उल्लेख आर.टी.-पी.सी.आर. संबंधी राज्य या केंद्र के प्रोटोकॉल में नहीं है।
- बेहतर रोग-प्रतितिरोधक क्षमता के अतिरिक्त भारत में अधिकांशतः परिवार के युवा सदस्य आर्थिक गतिविधियों में संलग्न होते हैं, अतः उनके संक्रमित होने की संभाव्यता स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। **युवाओं के विपरीत वृद्ध लोगों में ऑक्सीजन संतृप्ति स्तर 92 आने पर हाइपोक्सिया के लक्षण दिखने लगते** हैं।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

11 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

लंपी स्किन डिज़ीज़ (Lumpy Skin Disease)

- लंपी स्किन डिज़ीज़ (LSD) **एक पशुरोग है जो 'कैप्रीपॉक्स वायरस' (Capripox virus) के कारण होता** है। इसकी वजह से पशुओं में बुखार, अवसाद, थन से दूध गिरते रहना, पैरों में सूजन तथा लंगड़ापन इत्यादि की समस्या देखने को मिलती है। **इसके चलते दुधारू पशुओं की दुग्ध उत्पादन क्षमता कम हो जाती** है।
- इसका मुख्य लक्षण, संक्रमण के पश्चात् तेज़ बुखार और लसिका ग्रंथि में सूजन के बाद **शरीर में 5 सेमी. तक के आकार की मोटी-मोटी गाँठें उभरना है।** दुधारू पशुओं तथा जवान बछड़ों में इस रोग के खतरनाक लक्षण दृष्टिगत होते हैं। **एल.एस.डी. का अभी तक कोई उपचार उपलब्ध नहीं** है।
- **लंपी स्किन डिज़ीज़ का विषाणु किस तरह से पशुओं में संचरित होता है, इस संबंध में कोई ठोस जानकारी उपलब्ध नहीं** है। ऐसी मान्यता है कि यह विषाणु मुख्यत: खून चूसने वाले कीट वाहकों, जैसे मच्छर, मक्खी तथा छोटे कीटों अथवा संदूषित सूइयों द्वारा संचारित होता है।
- **संक्रमण के पश्चात् यह विषाणु रक्त में 21 दिन तक, जबकि वीर्य (Semen) में 42 दिन तक विद्यमान** रहता है। एल.एस.डी. विषाणु सबसे पहले वर्ष 1929 में अफ्रीका में खोजा गया, तब से अब तक यह एशिया और यूरोप के कई देशों में फैल चुका है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

12 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

हाई रिज़ॉल्यूशन कंप्यूटेड टोमोग्राफी
(High Resolution Computed Tomography)

- 'हाई रिज़ॉल्यूशन कंप्यूटेड टोमोग्राफी' (HRCT) **सीटी स्कैन के छवि-चित्रण का रिज़ॉल्यूशन बढ़ाने की तकनीक** है। इसका प्रयोग स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न समस्याओं का पता लगाने के लिये किया जाता है, इन समस्याओं में फेफड़ों संबंधी बीमारियाँ सबसे सामान्य हैं।

- **सीटी स्कैन (Computed Tomography Scan) सामान्य एक्स-रे की अपेक्षा शरीर के किसी भी हिस्से का छवि-चित्रण अधिक स्पष्टता और ब्यौरे के साथ प्रस्तुत** करता है, इनमें हड्डियों, माँसपेशियों, वसा तथा विभिन्न अंगों का छवि-चित्रण शामिल है।
- एच.आर.सी.टी. तकनीक का उपयोग परंपरागत सीटी स्कैनर के माध्यम से ही किया जाता है। **इसमें छवि-चित्रण संबंधी तकनीकी मापदंडों का इस्तेमाल इस तरह से किया जाता है कि इससे संबंधित अंग का सतही रिज़ॉल्यूशन बढ़ जाता है।** वस्तुत: एच.आर.सी.टी. तकनीक का विकास अपेक्षाकृत मंद (Slow) सीटी स्कैनर के साथ किया गया है, जिसमें मल्टी-डिटेक्टर (MDCT) तकनीक का प्रयोग नहीं किया जाता।
- हाई रिज़ॉल्यूशन कंप्यूटेड टोमोग्राफी का उपयोग **'पल्मोनरी फाइब्रोसिस' जैसी फेफड़ों के वायुकोषों में होने वाली बीमारी,** वायुस्पीति (Emphysema) तथा ब्रोंकाइक्टेसिस (Bronchiectasis) जैसी फेफड़ों की सामान्य बीमारियों का पता लगाने के लिये किया जाता है। **ये सभी श्वसन संबंधी बीमारियाँ (Airway diseases)** हैं।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

13 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

कोरोना वायरस का बी.1.617 वेरिएंट
(B.1.617 Variant of Coronavirus)

- पिछले डेढ़ वर्ष से पूरा विश्व कोविड-19 महामारी के प्रकोप से जूझ रहा है। **विश्व के विभिन्न देशों में कोरोना वायरस के विभिन्न वेरिएंट्स (Variants) पाए गए हैं,** यही कारण है कि वर्ष 2019 से लेकर अब तक विभिन्न देशों पर कोविड-19 के प्रभाव में भिन्नता देखी गई है।

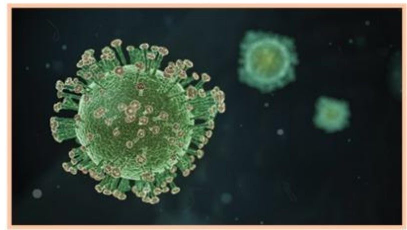

- कोविड-19 की पिछली लहर से जहाँ यूरोप एवं अमेरिका सर्वाधिक प्रभावित थे, वहीं वर्तमान लहर से सर्वाधिक प्रभावित देश भारत है। इसकी वजह है, **भारत में पाया गया कोरोना वायरस का नया वेरिएंट 'बी.1.617',** इसकी वजह से 2 माह से भी कम समय में 1 लाख से अधिक लोगों की मृत्यु हो गई है।
- कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान इसके बढ़ते प्रकोप के पीछे कोरोना वायरस के विभिन्न वेरिएंट्स का सामने आना था। **दूसरी लहर से सर्वप्रथम यूनाइटेड किंगडम प्रभावित हुआ, वहाँ इसके लिये कोरोना वायरस का 'बी.1.1.7' वेरिएंट उत्तरदायी था।** कुछ समय तक इसका प्रभाव भारत में भी देखा गया, किंतु शीघ्र ही इसका स्थान 'बी.1.617' ने लेकर देश भर में कहर बरपा दिया।
- वर्तमान में 'बी.1.617' भारत, यू.के. तथा फिजी सहित लगभग 40 देशों में फैल चुका है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि **इसकी घातकता का मुख्य कारण अन्य वेरिएंट्स की अपेक्षा इसका अधिक संक्रामक होना है।**
- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने **'बी.1.617' को 'चिंताजनक वेरिएंट' (Variant of Concern) के रूप में निर्दिष्ट** किया है। किसी भी वायरस को इस रूप में तभी निर्दिष्ट किया जाता है जब इस बात के स्पष्ट साक्ष्य हों कि अमुक वेरिएंट अधिक तीव्रता से फैल रहा है और इससे रोग की घातकता बढ़ गई है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

14 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

इंडीकेटिव नोट्स (Indicative Notes)

- **पत्रकारों तथा अन्य मीडिया कर्मियों को सर्वोच्च न्यायालय में चलने वाली मामलों की सुनवाई की वर्चुअल रिपोर्टिंग करने** के लिये भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) एन.वी. रमण ने एक मोबाइल एप लॉन्च किया है। अब मीडिया कर्मियों को न्यायालय की सुनवाई संबंधी रिपोर्टिंग के लिये न्यायालय परिसर में नहीं जाना पड़ेगा।
- मोबाइल एप के अलावा सी.जे.आई. ने **सर्वोच्च न्यायालय की आधिकारिक वेबसाइट पर 'इंडीकेटिव नोट्स' नाम से एक नई पहल भी शुरू** की है। इस पर न्यायालय के विभिन्न ऐतिहासिक महत्त्व के निर्णयों का सहज ढंग से संक्षिप्त सार उपलब्ध होगा।
- 'इंडीकेटिव नोट्स' उन मीडिया कर्मियों तथा आम जनता के लिये एक उपयोगी स्रोत होगा, जो न्यायालय के महत्त्वपूर्ण निर्णयों के बारे में जानकारी रखना चाहते हैं। सी.जे.आई. के अनुसार, कोविड-19 के बढ़ते प्रकोप के चलते **लाइव-स्ट्रीमिंग कोर्ट की अस्थायी व्यवस्था को अब स्थायी बनाया जा सकता है।**
- पारदर्शिता हमारे विधिक ढाँचे का आधारभूत सिद्धांत है। ध्यातव्य है कि **न्यायालय की सुनवाई एक खुले कोर्टरूम में होती है, जिसमें आम जनता का शामिल होना स्वीकृत होता है।** ऐसे में, न्यायालय की कार्यवाही के संबंध में लोगों तक सूचना पहुँचाने में मीडिया की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58

15 MAY 2021

PT CARD

संस्कृति IAS

रेड-इअर्ड स्लाइडर टर्टल (Red-eared Slider Turtle)

- हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पूर्वोत्तर भारत में पाया जाने वाला एक पालतू अमेरिकी कछुआ समूचे क्षेत्र के जल निकायों को नष्ट कर रहा है। ध्यातव्य है कि **पूर्वोत्तर क्षेत्र देश में पाए जाने वाले ताज़े जल के कछुओं (Turtles and tortoises) की 29 में से 21 संवेदनशील स्थानिक प्रजातियों का निवास स्थल** है।
- 'हेल्प अर्थ' नामक एन.जी.ओ. के सरीसृप विज्ञानियों के दल ने **असम के गुवाहाटी स्थित दीपोर बील वन्यजीव अभयारण्य तथा उग्रतारा मंदिर के जलाशय में** इस कछुए की उपस्थित का पता लगाया था। इसकी पारितंत्रीय प्रतिकूलता की वजह से इसे पूर्वोत्तर में ब्रह्मपुत्र तथा अन्य नदी पारितंत्रों से दूर रखने का प्रयास किया जा रहा है।
- इस कछुए को 'रेड-इअर्ड स्लाइडर' इसलिये कहा जाता है क्योंकि इसके सिर में कानों के स्थान पर लाल रंग की पट्टी बनी होती है और यह किसी भी सतह से जल में बहुत तेज़ी से सरकता है। **इसका वैज्ञानिक नाम 'ट्रेकेमिस स्क्रिप्टा एलिगन्स' (Trachemys scripta elegans)** है।
- यह कछुआ **अमेरिका तथा मैक्सिको की स्थानिक प्रजाति और एक बहुत ही लोकप्रिय पालतू जीव** है। एक दूसरा पहलू यह है कि यह बहुत जल्दी बड़ा होता है और जिस भी स्थान पर रहता है, वहाँ अन्य स्थानिक प्रजातियों के भोजन के लिये कुछ भी नहीं छोड़ता।

प्रथम एवं द्वितीय बैच फुल | तृतीय बैच में नामांकन जारी | 7428085757/58